को ध्यान में रखते हुए ठीक-ठीक नहीं बताई जा सकती कि कपड़े का अधिकांश उत्पादन विकेन्द्रीकृत हथकरघा तथा विद्युत-करघा क्षेत्रों में किया जाता है।

व्यापार सन्तुलन में घाटा

113. **श्री राम नरेश यादव :** क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

वर्ष 1989-90 के दिसम्बर माह के दौरान व्यापार संतुलन में कितना घाटा था तथा 1990-91 के इसी माह में कितना घाटा होने का अनुमान है, तथा इस घाटे को कम करने के लिए आयात में कमी करने हेतु, सरकार द्वारा क्या कदम उठाये जा रहे हैं और 1991 के अंत में तक इस घाटे को कितना कम किया जा सकता है ;

वाणिज्य मंत्री साथ में विधि और न्याय मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार (श्री सुब्रमण्यम स्वामी) : अनन्तिम आंकड़ों के अनुसार माह दिसम्बर, 1989, के दौरान भारत का व्यापार घाटा 835 56 करोड़ रुपये रहा। अक्टूबर, 1990 तक के उपलब्ध अनन्तिम आंकड़े उस माह के दौरान 1091.05 करोड़ रुपये का व्यापार घाटा दर्शाते हैं। इस स्तर पर दिसम्बर, 1990 के दौरान, और 1991 के बाद के संभावित व्यापार घाटे का ठीक-ठीक अनुमान लगाना मुश्किल है। सरकार ने व्यापार घाटे को स्थिर रखने के उद्देश्य से अनावश्यक मदों के आयात को कम करने के लिए कई उपाय किए हैं। इनमें पूंजीगत सामान, बचे माल, संघटकों और उपभोज्य वस्तुओं की कुछ मदों को, खुले सामान लाइसेंस से लाइसेंसिंग श्रेणियों में रखना आदि शामिल हैं। साथ ही साथ निर्यात बढ़ाने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं।

बजट घाटा और विभिन्न परियोजनाओं के लिए विश्व बैंक से ऋण

114. **श्री राम नरेश यादव :** क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या 1990-91 के वर्ष के बजट घाटे में कोई कमी आई है; यदि नहीं तो इस समय बजट घाटा कितना है;

(ख) सरकार बजट घाटे को कम करने के लिए 1990-91 के अन्त तक क्या कदम उठाने का विचार रखती है तथा वर्ष के अन्त तक इसको कितना कम किये जाने की संभावना है; और

(ग) क्या विभिन्न परियोजनाओं के लिए विश्व बैंक से ऋण प्राप्त करने में कुछ कठिनाइयां आ रही हैं और क्या सरकार ने इन कठिनाइयों को हल करने के लिए कोई पहल की है, और यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है ?

वित्त मंत्रालय में उपमंत्री और विदेश मंत्रालय में उपमंत्री (श्री दिग्विजय सिंह) : (क) 1990-91 के बजट में अनुमानित स्तर की तुलना में केन्द्रीय सरकार के बजट घाटे में परिवर्तनों को संशोधित अनुमानों में प्रतिबिम्बित किया जाएगा, जिन्हें 1991-92 के बजट दस्तावेजों में दर्शाया जाएगा।

(ख) सरकार ने चालू वर्ष में बजटीय घाटे को नियंत्रित रखने के लिए पहले ही अनेक उपाय किए हैं। इनमें से, व्यय में मितव्ययिता बरतने के लिए किए गए उपायों, नए संसाधन जुटाने के प्रयासों सहित राजस्व संग्रहों को तेज करने, निर्यात बढ़ाने और विदेशी सहायता का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करने का उल्लेख किया जा सकता है। इन उपायों का प्रभाव कुछ समय के बाद पता लगेगा।

(ग) जी नहीं।

Insurance Claims of November 1984 Riot Victims

115 SHRI S. S. AHLUWALIA Will the Minister of FINANCE be pleased to slate:

(a) whether it is a fact lhat many victims of November 1984 riots had in-